बी०ए० पार्ट - द्वितीय
द्वितीय प्रश्न पत्र
'अति महत्वपूर्ण प्रश्न'

pg1 BA II P II

प्र०1 नाटक के तत्वों के आधार पर 'कोणार्क' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र०2 कोणार्क नाटक के प्रमुख नायक विशु की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र०3 कोणार्क नाटक के पात्र धर्मपद की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्र०4 कोणार्क नाटक के मूल उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

प्र०5 'रंगमंच की दृष्टि से यह नाटक सफल नाटक है' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र०6 एकांकी के तत्वों के आधार पर 'उत्सर्ग' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

प्र०7 डॉ॰ रामकुमार वर्मा द्वारा लिखित 'उत्सर्ग' एकांकी के प्रमुख पात्र ऊशेखर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र०8 'उत्सर्ग' एकांकी में लेखक ने विज्ञान और मानव के रागात्मक सम्बन्धों को दर्शाया गया है" स्पष्ट कीजिए।

प्र०9 ' तांबे के कीड़े ' नामक एकांकी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्र०10 उपेन्द्रनाथ 'अश्क' द्वारा रचित 'नया पुराना' एकांकी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

प्र०11 'नया-पुराना' एकांकी के प्रमुख पात्र देवचंद की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र०12 'ममता का विष' एकांकी की समीक्षा कीजिए एवं इसमें निहित संदेश को स्पष्ट करते हुए इसके शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्र०13 'कालपुरुष और अजन्ता की नर्तकी' एकांकी में मानव मन की कुण्ठा एवं आधुनिक नारी की पीड़ा को व्यक्त किया गया है इस कथन को एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र०14 'कालपुरुष और अजन्ता की नर्तकी' नामक एकांकी की मूलसंवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्र०15 'आवाज का नीलाम' एकांकी के नामकरण की सार्थकता पर विचार व्यक्त कीजिए तथा कथानक एवं प्रतिपाद्य विषय को दर्शाइए कीजिए

प्र०16 'आवाज का नीलाम' नामक एकांकी के आधार पर 'सेठ कानोरिया' का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्र०17 'हरियाली पर घंटे भर' एकांकी में व्यक्त विचारों पर प्रकाश डालिए एवं एकांकी में निहित संवेदना या उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

टिप्पणियाँ:—

1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास।
2. हिन्दी नाटक के प्रमुख तत्व।
3. नाटक के रचना विधान एवं महत्व पर प्रकाश।
4. हिन्दी एकांकी का उद्भव एवं विकास।
5. एकांकी के प्रमुख तत्वों की समीक्षा।
6. एकांकी की परिभाषा एवं विशेषता।
7. नाटक एवं एकांकी में अन्तर।
8. रंगमंच की उपयोगिता।
9. एकांकी : शिल्प विधान।
10. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक एवं एकांकी का विकास।